>

Title: Regarding US President reported mediation claim on Kashmir issue.

माननीय अध्यक्ष : शून्य काल । श्री मनीष तिवारी ।

श्री मनीष तिवारी (आनंदपुर साहिब): अध्यक्ष महोदय, आपने बिल्कुल सही कहा है, कई मुद्दे ऐसे होते हैं जो संवेदनशील होते हैं और दलगत राजनीति से ऊपर होते हैं, इसीलिए मैं बहुत जिम्मेवारी से यह बात कहना चाह रहा हूं कि कल जो बयान अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने पाकिस्तान के प्रधान मंत्री इमरान खान की उपस्थिति में दिया, जिसमें उन्होंने कहा कि भारत के प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने ओसाका में कहा था कि कश्मीर मुद्दे के ऊपर आकर भारत और पाकिस्तान के बीच पंचायती करें, यह भारत की एकता, भारत की अखंडता और भारत की प्रभुसत्ता के ऊपर बहुत बड़ा आघात है । आज जो अखबारों में छपा है ।

माननीय अध्यक्ष : अखबार के वर्जन की चर्चा सदन में नहीं करते ।

श्री मनीष तिवारी : अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सरकार से पूछना चाहता हूं कि प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जब उनसे ओसाका में मिले तो उन्होंने कहा कि आप कश्मीर मुद्दे पर हस्तक्षेप क्यों नहीं करते हैं? Why doesn't he mediate in Kashmir? Why doesn't he become an arbitrator in Kashmir?

Sir, with your permission, may I read the transcript of what transpired yesterday. President Trump said:

> "I was with Prime Minister, Modi two weeks ago and we talked about this subject. And, he actually said, would you like to be a mediator or arbitrator? I asked, where? He said,

Kashmir, because this has been going on for many years. I am surprised that how long it has been going on."

उसके बाद प्रेसिडेंट ट्रम्प आगे कहते हैं-

"But he asked me the same. I think there is something. So, maybe we will speak to him and I will speak to him. And, we will see if we can do something because I have heard so much about Kashmir."

अध्यक्ष जी, यह गौर करने वाली बात है -

"Such a beautiful name! It is supposed to be such a beautiful part of the world. But right now, there are bombs all over the place. They say, everywhere you go, you have bombs and it is a terrible situation."

राष्ट्रपति ट्रम्प क्या कहते हैं, प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उनको कश्मीर के मुद्दे पर हस्तक्षेप करने के लिए न्योता दिया, आगे क्या कहते हैं । कश्मीर की स्थिति इतनी भयानक है कि कश्मीर में सिर्फ बम ही बम चलते हैं, वहां की परिस्थिति सामान्य नहीं है । अब मुद्दा यह है, यह बातचीत राष्ट्रपति ट्रम्प और प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के बीच हुई थी । हम मांग करना चाहते हैं कि प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को सदन में आकर जवाब देना चाहिए कि क्या उन दोनों के बीच बातचीत हुई थी या नहीं । अगर बातचीत नहीं हुई थी तो साफ तौर पर कहना चाहिए कि अमेरिका के राष्ट्रपति गलतबयानी कर रहे हैं । अमेरिका के राष्ट्रपति कश्मीर मुद्दे को लेकर 'झूठ' बोल रहे हैं । सरकार की तरफ से बहुत स्पष्ट वक्तव्य आना चाहिए । प्रधान मंत्री की तरफ से वक्तव्य आना चाहिए कि क्या प्रधान मंत्री और अमेरिका के राष्ट्रपति के बीच यह बातचीत हुई थी कि नहीं हुई थी । यदि नहीं हुई थी तो क्या बातचीत हुई थी, यह मैं आपके माध्यम से माध्यम से सरकार से पूछना चाहता हूं ।

PROF. SOUGATA RAY (DUM DUM): Sir, thank you for allowing me to raise a very, very sensitive issue and, as instructed by you, I shall keep in the broader national interests in mind. This is highly sensitive and concerns our foreign relations.

The American President, Donald Trump is reported to have said yesterday that he would love to be a mediator on Kashmir. Explaining how the matter came up, they met on the sidelines of the G-20 Summit in Osaka two weeks ago and there the Prime Minister Modi is supposed to have asked him whether he would like to mediate in Kashmir and he had said that he would love to.

Sir, this is in contravention of all past positions held by India that ... * or any bilateral issue with Pakistan would not invite third party mediation and that Kashmir is an integral part of India.

Then, by asking Mr. Trump to mediate in Kashmir, the Prime Minister seems to have violated the basic premise and compromised the territorial integrity of India. That is why, Sir, I would not like Mr. Jaishankar, who is a professional diplomat and who ... * to reply. I want a direct reply from the Prime Minister. …(*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष: यह रिकॉर्ड में नहीं जाएगा ।

…*

PROF. SOUGATA RAY : I have said nothing. …(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: No.

… (*Interruptions*)

PROF. SOUGATA RAY : Sir, let me finish by saying half a sentence. …(*Interruptions*)

Sir, I would like the Prime Minister to reply whether … (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष: इसे मैंने कार्यवाही से हटा दिया है ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य, बयानबाज़ी न करें ।

…(व्यवधान)

PROF. SOUGATA RAY : Sir, I would just like the Prime Minister to reply whether President Trump has 'lied' or not. …(*Interruptions*)

संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अर्जुन राम मेघवाल): यह शब्द ठीक नहीं है । … (व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: इसे कार्यवाही से निकाल दिया है ।

…(व्यवधान)

PROF. SOUGATA RAY : The Prime Minister should give the reply. Any other statement, any other reply would not satisfy us. … (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य, please sit down.

… (*Interruptions*)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्य, अगर बिना परमिशन के उठेंगे तो माइक कैसे ऑन होगा? मैं बोलने का मौका दे रहा था । एक तरफ यह बोल रहे हैं,

दूसरी तरफ वह बोल रहे हैं ।

…(व्यवधान)

SHRI T. R. BAALU (SRIPERUMBUDUR): Sir, this issue is very important to the nation. The President of USA, Mr. Trump, has gone on record saying that the Prime Minister of India has requested him to mediate on Kashmir issue. We never wanted any third party to interfere in the external affairs of India. This is a settled issue and time-tested policy regarding external affairs of India. We do not require anybody to interfere in our external affairs policy, and it is all time tested, especially on Kashmir. So, I request the hon. Prime Minister to come before the House. Since it is a personal discussion, he has to explain what transpired between Trump and him. He has to explain this to the House.

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, सदन के हम सभी माननीय सदस्य देश हित में काम कर रहे हैं, देश को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं । माननीय सदस्य वरिष्ठ हैं । माननीय सदस्य, बोलते समय संयमित बोलना चाहिए ।

…(व्यवधान)

प्रो. सौगत राय : मैंने क्या बोला? …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: आपने जो भाषा बोली है, मैंने एक्सपंज कर दी है ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: वह मैंने एक्सपंज कर दिया है ।

…(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, जब आप कोई सवाल उठाते हैं ।

…(व्यवधान)

गृह मंत्री (श्री अमित शाह): इस प्रकार की भाषा नहीं चलेगी । ऐसे कैसे बोल सकते हैं? यह भाषा ही ठीक नहीं है ।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय सदस्य प्लीज, अगर आप सवाल उठाते हैं तो माननीय मंत्री जी का जवाब भी सुनिए ।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : जब आप सवाल उठाते हैं तो जवाब भी सुनिए ।

...(व्यवधान)

12.30 hrs

(At this stage, Shri Adhir Ranjan Chowdhury, Shri Sudip Bandyopadhyay, Shri T.R. Baalu, Adv. A.M. Ariff and some other hon. Members left the House.)

THE MINISTER OF EXTERNAL AFFAIRS (DR. SUBRAHMANYAM JAISHANKAR): ...(*Interruptions*) Sir, I rise to reply to the concerns of hon. Members. ...(*Interruptions*) regarding the remarks made by President Donald Trump in a meeting with the Prime Minister of Pakistan. His remarks suggested that he is ready to mediate, if requested by India and Pakistan, on the Kashmir issue. ... (*Interruptions*)

I assure the House categorically that no such request has been made by the Prime Minister to the US President. ...(*Interruptions*) I repeat that no such request has been made by the Prime Minister to the US President. ...(*Interruptions*)

I also reiterate that it has been India's consistent position that all outstanding issues with Pakistan are discussed only bilaterally and this continues to be the case. …(*Interruptions*) I further underline that any engagement with Pakistan would require an end to cross-border terrorism. …(*Interruptions*)

Let me conclude, Sir, by emphasising that the Simla Agreement and the Lahore Declaration provide the only basis to resolve all issues between India and Pakistan bilaterally. …(*Interruptions*) Thank you.

श्री अमित शाह: माननीय अध्यक्ष जी, शोर-शराबे में पूरा बयान सदस्यगण नहीं सुन पाए, मेरा निवेदन है कि आप माननीय मंत्री जी को एक बार फिर से अनुमति दीजिए और वे पूरा बयान एक बार फिर से पढ़ें। …(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी पूरा बयान दोबारा पढ़ें । माननीय सदस्यगण आप शांत रहिए। केवल माननीय मंत्री जी की बात इंगित होगी ।

…(व्यवधान)

DR. SUBRAHMANYAM JAISHANKAR: …(*Interruptions*) Sir, yesterday, the President of the United States of America made certain remarks to the Press after a meeting with the Prime Minister of Pakistan. He said that he is ready to mediate, if requested by India and Pakistan, on the Kashmir issue.

I assure the House categorically that no such request has been made by the Prime Minister to the US President. I repeat that no such request has been made by the Prime Minister to US President.

I also reiterate that it has been India's consistent position that all outstanding issues with Pakistan are discussed only bilaterally and this

continues to be the case. I further underline that any engagement with Pakistan would require an end to cross-border terrorism.

Let me conclude, Sir, by emphasising that the Simla Agreement and the Lahore Declaration provide the only basis to resolve all issues between India and Pakistan bilaterally. Thank you.

12.34 hrs

MATTERS UNDER RULE 377*

माननीय अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, नियम 377 के अधीन मामलों को सभा पटल पर रखा जाए। जिन सदस्यों को नियम 377 के अधीन मामलों को आज उठाने की अनुमति दी गई है और जो उन्हें सभा पटल पर रखने के इच्छुक हैं, वे 20 मिनट के भीतर मामले के पाठ को व्यक्तिगत रूप से सभा पटल पर भेज दें । केवल उन्हीं मामलों को सभा पटल पर रखा जाएगा, जिनके लिए मामले का पाठ निर्धारित समय के भीतर सभा पटल पर प्राप्त हो गया है । शेष को व्यपगत माना जाएगा ।